शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 09-10-2020 , वर्ग - BA-III

⑤ विद्युत शक्ति के बड़े पैमाने पर प्रयोग ⇒ औद्योगिक क्षेत्र की तरह, अमेरिका के कृषि क्षेत्र में भी विद्युत शक्ति का बड़े पैमाने पर प्रयोग होने लगा। ग्रामीण क्षेत्र का विद्युतीकरण 1935 में स्थापित 'ग्रामीण विद्युतीकरण प्रशासन' द्वारा किया गया था।

⑥ कृषि-शिक्षा एवं अनुसंधान ⇒ कृषि शिक्षा के प्रसार हेतु अमेरिकी सरकार ने 1862 में 'राष्ट्रीय कृषि विद्यालय अधिनियम' पारित किया। इसकी अन्तर्गत कृषि विद्यालय की स्थापना हेतु प्रत्येक राज्य को 30 हजार एकड़ संघीय भूमि मिलने की व्यवस्था थी। फलतः महायुद्ध से पूर्व देश भर में 69 कृषि-विद्यालयों की स्थापना की गयी। कृषि विद्यालयों की सहायता के लिए 1914 में 'स्मिथ लीवर एक्सटेंशन एक्ट' तथा 1917 में 'स्मिथ ह्यूज एक्ट' पारित किया गया। कृषि अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 1914 तक 60 अनुसंधान केन्द्र स्थापित किए, जो कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित थे।

(7) सिंचाई के सुविधा का विस्तार :- 1870 में अमेरिका की केवल 20 हजार एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई की सुविधा उपलब्ध थी। 1887 के 'मरुभूमि अधिनियम' सरकार ने सिंचाई कार्यों का प्रोत्साहन देने का प्रयास किया था। जो अधिक सफल नहीं हो पाया। अतः 1894 में पारित कैरी एक्ट द्वारा निजी क्षेत्र को सिंचाई के विस्तार का कार्य सौंपा गया। 1902 में पारित 'भूमि उद्धार अधिनियम' के अन्तर्गत सरकार ने नहरों का निर्माण आरंभ किया। फलतः 1930 तक अमेरिका में कुल सिंचित क्षेत्र बढ़कर 220 लाख एकड़ हो गया।

(8) ग्रामीण यातायात का विकास => ग्रामीण क्षेत्रों में रेलवे और मोटर यातायात की सुविधाओं ने किसानों की उपज का अच्छा मूल्य दिलाकर उत्पादन वृद्धि हेतु प्रोत्साहित किया।

(9) कृषि बीमा => संघ सरकार की ओर से सर्वप्रथम 1938 में गेहूं तथा 1942 में कपास की फसल के लिए बीमा योजना लागू की

गई। योजना के संचालन हेतु 'फसल बीमा निगम' की स्थापना की गयी। इसके अन्तर्गत बाढ़, तूफान, ओलावृष्टि या फसल रोगों से हुई क्षति की पूर्ति की जाने लगी। इससे कृषि विकास को अत्यधिक प्रोत्साहन मिला।

(10) पशु-धन का विकास ⇒ गृह युद्ध के पश्चात अमेरिका में पशुधन के विकास पर समुचित ध्यान दिया गया। विदेशों से अच्छी नस्ल के पशु आयात किए गये। वैज्ञानिक अभिजनन प्रारंभ किया गया तथा पशु चिकित्सा की व्यवस्था की गयी।

(11) कृषि-वस्तुओं की संसारव्यापी मांग ⇒ संसार की बढ़ती हुई जनसंख्या और व्यापार के वृद्धि ने अमेरिकी कृषि वस्तुओं की माँग को अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। इससे कृषि विकास को भारी प्रोत्साहन मिला।

(12) सरकार का अनुकूल दृष्टिकोण ⇒ प्रारंभ से अमेरिकी सरकार का दृष्टिकोण कृषि विकास के लिए अनुकूल रहा है। परिवर्तित परिस्थितियों के अनुसार सरकार ने कृषि कार्यों को प्रोत्साहित

करने के लिए कई अधिनियम पारित किए। आर्थिक संकट की स्थिति में सरकार ने किसानों की रक्षा हेतु सदैव तत्परता दिखाई। कृषि-मज़दूरों की व्यवस्था के प्रति सरकार का दृष्टिकोण सहानुभूतिपूर्ण बना रहा।